



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 235]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 7, 2004/आश्विन 15, 1926

No. 235]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 7, 2004/ASVINA 15, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 2004

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** रूस मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्ल्यूरोईथालिन ( पीटीएफई ) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा।

**सं० 15/6/2003-डीजीएडी.**— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995, को ध्यान में रखते हुए:

**क. प्रक्रिया:**

1. निम्नलिखित निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया है :-

1.1 निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग मैसर्स हिन्दुस्तान फ्ल्यूरोकार्बन्स लि०, हैदराबाद की ओर से इस आशय का अनुरोध प्राप्त होने पर कि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना होगी, रूस (जिसे एतद् पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्ल्यूरोइथाइल (पीटीएफई) (जिसे एतद् पश्चात पी टी एफ ई अथवा संबद्ध माल कहा गया है) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की थी। यह निर्णायक

समीक्षा 8 अक्टूबर, 2003 की अधिसूचना सं० 15/6/2003-डीजीएडी द्वारा शुरू की गयी थी। प्राधिकारी यह स्मरण करते हैं कि मूल जांच संबंधी अंतिम जांच परिणाम दिनांक 9 जून, 1999 की अधिसूचना सं. 24/1/98-डीजीएडी द्वारा अधिसूचित किए गए थे।

- 1.2 निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल पाटनरोधी जांच परिणामों में उपलब्ध सूची के अनुसार संबद्ध देश के दूतावास, निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरूआत करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे इस समीक्षा जांच शुरू करने के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को संगत प्रश्नावली समेत घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका की एक प्रति भेजी गयी थी और उनसे यह अनुरोध किया गया था कि वे संगत प्रश्नावली के अनुसार एवं सही ढंग से उत्तर दें। किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना और घरेलू उद्योग द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए रखने संबंधी दायर याचिका का उत्तर नहीं दिया है। किसी भी आयातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उसमें निर्धारित रूप एवं तरीके में उत्तर नहीं दिया है। तथापि, कुछेक आयातकों ने कुछेक तर्क दिए हैं जिनका विस्तृत विश्लेषण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उस सीमा तक किया गया है जिस सीमा तक वे जांच के लिए संगत पाए गए हैं।
- 1.3 पाटन की जांच एवं क्षति के लिए 1 अप्रैल, 2002 से 30 जून, 2003 तक की अवधि शामिल है जिसे जांच की अवधि अथवा "पी ओ आई" कहा गया है। क्षति के विश्लेषण के संदर्भ में रूझानों की जांच हेतु 1 अप्रैल, 1999 से जांच की अवधि शामिल है (जिसे विचाराधीन अवधि भी कहा गया है)। आयात के आंकड़ों की जांच डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदे-वार आंकड़ों से की गयी है और संबद्ध देशों से किए गए आयातों की मात्रा एवं मूल्यों का निर्धारण डी जी सी आई एस के आंकड़ों के जरिए किया गया है।
- 1.4 \*\*\*\*\* यह चिह्न नमूने अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तम नमूनों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माने जाने का द्योतक है।

- 1.5 प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उन्हें हितबद्ध पार्टियों को देखने के लिए खुला रखा ।
- 1.6 प्राधिकारी ने पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के संबंध में अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गयी सभी सूचना मांगी और उनका सत्यापन किया । प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गयी सीमा तक घरेलू उद्योग की मौके पर जांच की । याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर आमतौर से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और निर्माण एवं बिक्री लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत को निकालने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का विश्लेषण भी किया गया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- 1.7 नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 27 फरवरी 2004 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । जिन पक्षकारों ने सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा 10.9.2004 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी अंतिम निष्कर्षों में विधिवत विचार किया जाएगा । सभी हितबद्ध पक्षकारों को 23 सितम्बर, 2004 तक खुलासे का उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । यह बात नोट की जाती है कि घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटन विवरण का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।

## २४ विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

- २ इस जांच में विचाराधीन उत्पाद पॉलिटेट्राफ्ल्यूरोइथाइलीन (पीटीईएफ) है । इस उत्पाद के विनिर्माण की मुख्य कच्ची सामग्री एनहाइड्रस हाइड्रोक्लारिक एसिड

और क्लोरोफार्म है । इसका उत्पादन मोल्टिंग ग्रेड, फाइन पाउडर ग्रेड, एक्वायस डिस्पर्सन और फिल्ट ग्रेड के कम्पाउंड ग्रेडों में किया जाता है ।

3. अपने अद्वितीय विशेषताओं, जो रासायनिक अक्रियता, कम घर्षण गुणांक, गैर-विषैला, अज्वलनशील, विकिरणरोधी और व्यापक बारम्बारता रेंज में विशिष्ट विद्युत भौतिक गुण हैं, के कारण संबद्ध माल का प्रयोग मुख्य रूप से इलैक्ट्रिकल, इलैक्ट्रॉनिक, यांत्रिक एवं रासायनिक उद्योगों में किया जाता है ।
4. पीटीएफई सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के सीमा शुल्क उप शीर्ष 390461 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, जैसाकि जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में कहा गया है, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण संकेतात्मक स्वरूप का है और यह जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है । विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई तर्क नहीं है ।
5. विभिन्न हितबद्ध आयातक पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि संबद्ध माल के अनेक ग्रेड ऐसे हैं जिनका विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है और इन ग्रेडों का प्रयोग उच्च लक्ष्य वाले इलैक्ट्रॉनिक्स जैसे नाभिकीय एवं अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों में किया जाता है । यह भी तर्क दिया गया है कि तार एवं केबल बनाने में प्रयुक्त ग्रेडों का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा गुणवत्ता के अनुरूप नहीं किया गया है अतः इसका आयात किए जाने की जरूरत है । प्राधिकारी ने संबद्ध देश के आयातों की सौदेवार जांच की है और संबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों के आधार पर विस्तृत जांच करने के पश्चात वह यह बात नोट करते हैं कि रूसी उत्पादकों द्वारा निर्यातित संबद्ध माल और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद विभिन्न मापदण्डों जैसे माल की भौतिक विशेषताओं, रासायनिक गुण-धर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया है, प्रौद्योगिकी कार्य एवं प्रयोग, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार एक दूसरे से तुलनीय हैं । इसके अलावा, भारत में रूस से जिन कीमतों पर माल का निर्यात किया जा रहा है मोटे तौर पर वह भी एक समान हैं । इसके अलावा, किसी पक्षकार द्वारा इस बात का दावा नहीं किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित ग्रेडों को छोड़कर कालोपय ग्रेड रूस से आ रहे हैं जिनका घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध माल से प्रातेस्थापन नहीं किया जा सकता है । अन्य देशों द्वारा किए गए आयातों के विश्लेषण से यह संकेत मिलते हैं कि ये ग्रेड संबद्ध देशों से भिन्न देशों के मूल के अथवा वहां से

निर्यातित भिन्न ग्रेड हो सकते हैं क्योंकि इन देशों की कीमत रूस से निर्यातित संबद्ध माल की कीमतों से काफी अधिक प्रतीत होती है। संबद्ध माल के अंतिम प्रयोग के बारे में प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध माल का उच्च लक्ष्य वाले इलेक्ट्रॉनिक्स के विनिर्माताओं को निरंतर आपूर्ति होती रही है। रूस से निर्यातित पी टी एफ ई और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीटीएफई में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। ये दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और उपभोक्ता इन दोनों का अदल-बदल कर प्रयोग कर रहे हैं। उपर्युक्त जांच के आधार पर, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित पीटीएफई पाटनरोधी नियमावली के अनुसार रूस से आयातित माल के समान वस्तु है। यह बात भी नोट की जाती है कि इस विषय की पूर्ववर्ती जांचों में तहकीकात की गयी है और इसे सुलझा लिया गया है।

### ग. घरेलू उद्योग

6. याचिकाकर्ता भारत में पीटीएफई का एक मात्र उत्पादक है और इसलिए उसके पास नियम 2 (ख) के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार याचिका दायर करने का आधार है।

### घ. पाटन

7. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क(1)1 के अन्तर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:-

- 1 ' सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या
- 2 जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की बिक्री न हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा:

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु की उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य ; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत:

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नही हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।"

8. प्राधिकारी ने धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं । किसी भी निर्यातक ने निर्यातकों को भेजे गए पत्र और निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । वस्तुतः इस जांच में किसी निर्यातक ने कोई तर्क नहीं दिया है ।

रूस

(क) सहयोग

9. संबद्ध देशों/क्षेत्रों के किसी भी निर्यातक ने निर्यातकों को भेजे गए पत्र और निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार अपेक्षित रूप में एवं ढंग से प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । प्राधिकारी यह स्मरण करते हैं कि उन्होंने जांच शुरू करते समय उनके दूतावासों समेत सभी निर्यातकों को पत्र भेजे थे और रूसी परिसंघ के सभी ज्ञात निर्यातकों को अगोपनीय आवेदन की एक प्रति भी भेजी थी । इसके अलावा, उनके दूतावासों समेत सभी निर्यातकों को सार्वजनिक सुनवाई के दौरान आमंत्रित किया गया था जिसकी अध्यक्षता प्राधिकारी द्वारा

27 फरवरी 2004 को की गयी थी। इस सार्वजनिक सुनवाई में दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के अधिकारियों ने भाग लिया था यद्यपि किसी निर्यातक अथवा दूतावास ने प्राधिकारी को कोई लिखित अनुरोध अथवा उत्तर अथवा टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की। वस्तुतः इस जांच में किसी निर्यातक ने कोई तर्क नहीं दिया है। आयातकों में मैसर्स दुपोंट इंडिया ने प्राधिकारी को कोई अगोपनीय उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और यह देखा गया है कि अन्य निर्यातकों में से किसी भी निर्यातक ने आयातक प्रश्नावली में यथा निर्धारित रूप एवं ढंग में उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मुद्दों से संबंधित सभी तर्कों पर प्राधिकारी द्वारा उस सीमा तक कार्रवाई की गयी है जिस सीमा तक वे संगत पाए गए हैं। इस बारे में पाटनरोधी संबंधी डब्ल्यू टी ओ करार में यह कहा गया है कि "जांच की शुरुआत करने के पश्चात् यथासंभव शीघ्रातिशीघ्र जांच प्राधिकारियों को किसी हितबद्ध पक्ष से अपेक्षित सूचना और हितबद्ध पक्ष द्वारा अपने उत्तर को किस ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए, के बारे में विस्तार पूर्वक बताया जाना चाहिए। प्राधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पक्षकार इस बात से अवगत है कि यदि सूचना उचित समय के भीतर नहीं भेजी जाती है तो, प्राधिकारी जांच की शुरुआत करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन में निहित तथ्यों समेत उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र होंगे।" चूंकि रूस के किसी निर्यातक द्वारा कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गयी है इसलिए प्राधिकारी इस जांच में सभी निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं।

(ख) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत:

10. संबद्ध देशों के किसी निर्यातक के असहयोग को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। यह बात भी नोट की जाती है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे का निर्यातक अथवा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा खण्डन किया गया है। इन परिस्थितियों में, नियमों के तहत सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया जाता है। अतः लाभ के लिए उचित मार्जिन के साथ एसजीए समेत उत्पादन की लागत पर उपलब्ध सूचना को संबद्ध देश में निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में किया गया है। कारखाना द्वार स्तर पर

निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएस से उपलब्ध आंकड़ों और उपलब्ध तथ्यों के अनुसार समायोजनों के साथ किया गया है।

(ग) तुलना:

11. कारखानाद्वार स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के प्रयोजनार्थ, परिवहन, बीमा, प्रहस्तन एवं अन्य लागतों के बारे में उचित भत्ते की अनुमति दी गयी है।

(घ) पाटन मार्जिन:

12. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के नियम 6(iv) के अनुसार पाटन मार्जिन का निर्धारण कारखानाद्वार स्तर पर भारित औसत निर्यात कीमत के साथ परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है। तुलना में निर्यातक द्वारा जांच अवधि में संबद्ध माल का पाटन किया जाना प्रदर्शित हुआ था। निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और यह 105% है।

देश	एनवीएक्स	ईपीएक्स	डीएम	डीएम%
	अम.डा.	अम.डा.	अम.डा.	%
रूस	****	****	****	105%

**ड. क्षति**

घरेलू खपत/मांग

13. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/मांग की गणना के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा को भारत में होने वाले कुल आयातों में जोड़ दिया है। इस आधार पर संबद्ध वस्तु की घरेलू मांग या खपत की घरेलू बाजार में बढ़त को नीचे सारणी में दर्शाया गया है:

	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
आयात-रूस मी.टन	98	109	157	158
सूचीबद्ध	100.00	111	160	161
आयात-अन्य देश मी.टन	368	383	576	742
सूचीबद्ध	100.00	104.07	156.52	201.63
घरेलू उद्योग की बिक्री मी.टन	280	372	381	290
सूचीबद्ध	100.00	132.85	136.07	103.57
मांग	746	864	1114	1191
सूचीबद्ध	100.00	115.81	149.32	159.65

यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाती है । विचाराधीन अवधि के दौरान सम्बद्ध देश से आयात की सम्पूर्ण मात्रा में वृद्धि हुई ।

14. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की कीमत पर मांग में तबदीली के प्रभाव की भी जांच की है । यह पाया गया है कि जब मांग बढ़ती है, संबद्ध देशों के साथ-साथ अन्य देशों से भी आयात की स्थिति विशिष्ट सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाती है । वास्तव में अन्य देशों से आयात में मांग के अनुसार भारी वृद्धि हुई है । अन्य देशों से आयात के संबंध में, चीन विचाराधीन अवधि के दौरान विचाराधीन निर्यात उत्पाद का प्रमुख निर्यातक है । प्राधिकारी यह स्मरण करते हैं कि घरेलू उद्योग ने चीन से हुए आयातों के विरुद्ध एक याचिका प्रस्तुत की थी जिसके लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच-पड़ताल प्रगति पर है ।

#### मूल सम्बद्ध देश और अन्य देशों से आयात आयात की मात्रा

15. रूस एवं अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों की मात्रा निम्न सारणी में दी गयी है:

	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
आयात-रूस मी.टन	98	109	157	158
सूचीबद्ध	100.00	111.46	160.35	161.54
आयात - अन्य देशों से	368	383	576	742
सूचीबद्ध	100.00	104.07	156.52	201.63
कुल आयात	466	492	733	900
सूचीबद्ध	100.00	105.57	157.51	193.34

उपर्युक्त विवरण इसका साक्षी है कि विचाराधीन अवधि के पश्चात सम्बद्ध देश से आयात में 62% की वृद्धि हुई है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू खपत में 59% की वृद्धि हुई। इसलिए यह निष्कर्ष निकलता है कि मांग में लगातार और भारी वृद्धि हुई है और पाटित आयातों की मात्रा में भी भारी वृद्धि हुई है तथा आयातों में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से अधिक रही है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

#### कुल आयातों में सम्बद्ध देश का हिस्सा

16. विचाराधीन अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा उच्च स्तर पर बना रहा। चूंकि वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है इसलिए पाटनरोधी शुल्क लागू बना रहता है। तथापि पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद भी आयात उच्च स्तर पर बने रहे। अतः प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि रूस से पाटित आयातों का बाजार हिस्सा उच्च स्तर पर बना हुआ है।

	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
आयातों में बाजार हिस्सा				
रूस	98	109	157	158
हिस्सा	21.00	22.18	21.42	17.56
अन्य देश	368	383	576	742
अन्य देशों का हिस्सा	78.91	77.85	78.58	82.44

घरेलू उत्पादन के अनुपात में रूस का हिस्सा	32.32	30.07	45.80	42.54
खपत के अनुपात में रूस का हिस्सा	13.12	12.63	14.09	17.56

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में सम्बद्ध वस्तु के कुल आयातों में रूस के हिस्से की जांच की। यह देखा जा सकता है कि कुल आयातों में रूस के हिस्से में गिरावट आयी है जो रूस के खिलाफ शुल्क लगाये जाने और नये स्रोतों से आयात शुरू किये जाने के कारण हो सकती है।

#### कुल मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा

17. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में सम्बद्ध वस्तु की मांग में सम्बद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के हिस्से की भी जांच की है। प्राधिकारी ने पाया है कि सम्बद्ध देश का हिस्सा जो 1999-2000 में 13.12% था वह जांच अवधि के दौरान मामूली बढ़कर 13.29% हो गया। तथापि मांग बढ़कर 17.56% हो गयी।

मांग में बाजार हिस्सा%	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि
घरेलू उद्योग	37.51	43.06	34.17	24.37
आयात-रूस	13.12	12.63	14.09	13.29
आयात - अन्य देश	49.37	44.31	51.74	62.44
बाजार हिस्से में परिवर्तन - विचाराधीन अवधि के दौरान				
पाटित आयात		-0.49	0.97	4.44
अन्य आयात		-5.06	2.37	8.7
घरेलू उद्योग		5.55	-3.34	-13.14

उपर्युक्त से, यह स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग ने अत्यधिक बाजार हिस्सा गंवाया है जिस पर सम्बद्ध देशों और अन्य देशों ने कब्जा कर लिया है। जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है कि अन्य देशों में चीन सम्बद्ध वस्तु का प्रमुख निर्यातक है जिसके खिलाफ जांच चल रही है।

### भारत में उत्पादन में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा

18. यह पाया गया है कि सम्बद्ध देश से हुए पाटित आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है।

	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
उत्पादन के संबंध में रूस से हुए आयात	32.32	30.07	45.80	42.54
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		-2.25	13.48	10.22

उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में विचाराधीन अवधि के दौरान रूस से हुए पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है।

### आयात कीमत में क्रमिक वृद्धि

19. विचाराधीन अवधि के दौरान रूसी मूल के आयातों की सी आई एफ कीमतों में 13.00% की भारी गिरावट आयी थी।

रूप प्रति कि.ग्रा.	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
सीआईएफ आयात कीमत - रूस रू./कि.ग्रा.	333.22	395.16	389.57	289.87
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		18.59	-1.41	-25.59

प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तु की कीमतों में इस तथ्य की वजह से घट-बढ़ होती है कि निविष्ट की कीमतों में भी घट-बढ़ होती रहती है। उपर्युक्त से यह स्पष्ट होता है कि रूस से पीटीईएफ की आयात कीमत जो विचाराधीन अवधि से लेकर 2001-02 तक बढ़ती रही थी उसमें जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई थी।

### कीमत कटौती

20. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और आयातित सामग्री के पहुंच मूल्य की तुलना के लिए रूस और घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की व्यापार के समान स्तर पर, असंबद्ध ग्राहकों को सभी रियायतों तथा करों की निवल बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई थी। घरेलू उद्योग की कीमतें कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित की गई थीं। आयात पश्चात् लागू शुल्कों (मूल सीमा शुल्क) के लिए रूस की सीआईएफ कीमतों को जोड़ा गया था। तुलना में निम्नलिखित प्रदर्शित होता है:-

रु० प्रति कि.ग्रा.	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
सीआईएफ निर्यात कीमत -रूस रु०/कि.ग्रा.	333.22	395.16	389.57	289.87
पहुंच मूल्य -रूस	437.52	538.81	530.47	395.25
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली	****	****	****	****
कीमत कटौती	****	****	****	****
कीमत कटौती %				15-20%

तुलना से यह प्रदर्शित हुआ कि जांच अवधि के दौरान, संबद्ध देश के मूल की संबद्ध वस्तुएं घरेलू बाजार में ऐसी कीमतों पर बेची गई थी जो कि घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती करती हैं - यदि उन्हें घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतों के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।

### कम कीमत पर बिक्री

21. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जांच की है कि घरेलू उद्योग को पी टी एफ ई की बिक्री से घाटे के कारण क्षति हो रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति का आकलन करने के लिए कम कीमत पर बिक्री एक महत्वपूर्ण संकेतक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षतिरहित कीमत का परिकलन किया है और कम कीमत पर बिक्री की सीमा पर पहुंचने के लिए इसकी पहुंच मूल्य से तुलना की

है। विश्लेषण से रूस से हुए पाटित आयातों के कारण 30-40% की कम कीमत पर बिक्री का महत्वपूर्ण स्तर प्रदर्शित होता है।

### घरेलू उद्योग की स्थिति

#### प्रारंभिक टिप्पणियाँ

22. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन आदि जैसे ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है।

#### बिक्रियाँ

23. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्राएं निम्नानुसार थीं :-

वर्ष	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
बिक्रियाँ (एम टी)	280	372	380	290
प्रवृत्ति	100.00	132.86	135.71	103.57
मांग (एम टी)	746	864	1114	1191
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	37.51	43.06	34.17	24.37

यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्राओं में वर्ष 1999-00 और 2001-02 के बीच वृद्धि हुई। तथापि, जांच अवधि में उसके पश्चात बिक्री मात्राओं में गिरावट का रुख प्रदर्शित हुआ है। बिक्री मात्राओं में तब भी गिरावट का रुख प्रदर्शित हुआ है जब मांग में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मांग में वृद्धि होने के बावजूद गिरावट प्रदर्शित हुई है।

24. कीमत कटौती के स्तर और उत्पाद की कीमत संवेदनशीलता पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की बिक्रियों में और गिरावट हो सकती है।

लाभ:

25. उत्पादन और बेची गई मात्राओं के लिए प्रति इकाई घरेलू उद्योग की लाभ/हानि निम्नानुसार रही है:-

वर्ष	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
ब्याज पूर्व लाभ/हानि (रू./किग्रा.)	****	****	****	****
सूची	-100	-34	-31	-66
ब्याज (रू./किग्रा.)	****	****	****	****
	100	101	106	111
ब्याज पश्चात् निवल लाभ/हानि (रू./कि.ग्रा.)-बिक्री पर	-100	-51	-50	-77
ब्याज पूर्व कुल लाभ/हानि	****	****	****	****
सूची	-100	-46	-43	-69.2
कर पश्चात् निवल लाभ/हानि सूची	-100	-68	-68	-80

उपरोक्त से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग के लाभों में पर्याप्त रूप से कमी हुई है। शुल्क लगाने के पश्चात् भी घरेलू उद्योग को हानि होना जारी रहा।

उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग

26. घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है:-

वर्ष	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
क्षमता मी.टन	500	500	500	500
उत्पादन मी.टन	303.00	362.98	342.92	371.92

सूचीबद्ध	100.00	119.80	113.17	122.75
क्षमता उपयोग %	60.60	72.60	68.58	74.38
उत्पादन में वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन मी.टन		59.98	-20.06	29

उपर्युक्त से यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है। तथापि यह नोट किया गया है कि उत्पादन में वृद्धि ने घरेलू उद्योग की मदद नहीं की है क्योंकि घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में पाटित माल की उपलब्धता के कारण हानि होना जारी रहा। आगे यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने मध्यावधि समीक्षा के लिए किए गए अपने आवेदन में यह आरोप लगाया है कि उनकी मूल जांच में पहले लगाया गया पाटनरोधी शुल्क सम्बद्ध देश से पाटित आयातों के कारण उनके द्वारा उठाई जा रही क्षति को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।

#### बाजार हिस्सा

27. घरेलू उद्योग और आयातों का हिस्सा और भारत में मांग निम्नानुसार रही है :—

वर्ष	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
घरेलू उद्योग	37	43	34	24
रूस	13	13	14	18
अन्य स्रोत	49	44	52	58
वर्ष दर वर्ष परिवर्तन				
घरेलू उद्योग		6	-9	-10
रूस		0	1	4
अन्य स्रोत		-5	8	6

यह देखा गया है कि मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में 1999-2000 और 2000-01 के बीच पर्याप्त वृद्धि हुई है। तथापि, इसके पश्चात् घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा कम हो गया। यह भी देखा गया है कि सम्बद्ध देश से पाटित आयातों के हिस्से में कुल मांग में ~~विचारणीय~~ अवधि में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया गया है कि सम्बद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से आयात हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है। प्राधिकारी दोहराते

हैं कि अन्य देशों से किए गए आयातों में से अधिकांश चीन के आयातों से संबंधित हैं जिनके लिए प्राधिकारी द्वारा फिलहाल अलग से जांच की जा रही है।

### रोजगार और मजदूरी

28. घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है क्योंकि घरेलू उद्योग के कर्मचारी कमोबेश नहीं रहे हैं क्योंकि कंपनी की अच्छे कल की संभावनाओं के साथ कठिन परिस्थितियों में अपने कर्मचारियों को रखने की नीति को अपनाया हुआ है। मजदूरी में, घरेलू उद्योग की मजदूरी देश के प्रचलित नियमों और कानूनों के कारण सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाती है।

### उत्पादकता

29. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नानुसार रही है :-

29. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नानुसार रही है:-

वर्ष	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	****	***	***	***
सूची	100	119	113	123
वर्ष दर वर्ष परिवर्तन		0.27	-0.09	0.15

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता, जो 1999-00 से 2000-01 के बीच बढ़ गई थी, वर्ष 2000-01 के पश्चात् पर्याप्त रूप से गिरावट आई है। तथापि आधार वर्ष से जांच अवधि तक कर्मचारी उत्पादकता में एक सामान्य वृद्धि दिखाई देती है। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की प्रति कर्मचारी उत्पादकता में उत्पादन में वृद्धि और कर्मचारियों के अधिक या कम समान स्तर के कारण सकारात्मक रुख दिखाई देता है।

### घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

30. सम्बद्ध देशों से आयातों के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में पर्याप्त कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही है। आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारक कीमत से काफी कम है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में गिरावट आई है जैसाकि नीचे दी गई सारणी से देखा जा सकता है:-

रु० प्रति कि.ग्रा.	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
निवल बिक्री वसूली	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	95.78	100.76	92.40
कीमत कटौती -रुस	****	****	****	****
सूची	100	79	82	87
उतराई कीमत - रुस	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	123	121	90

उपर्युक्त से स्पष्ट है कि रुस से उतराई कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली और उत्पादन की लागत से काफी कम है। पाटित आयातों ने भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को पर्याप्त रूप से कम किया है।

#### निवेश पर आय

31. निवेश पर आय (ब्याज से पूर्व लाभ) वही रूख दर्शाते हैं जो लाभों पर हैं जैसाकि नीचे दी गई सारणी से स्पष्ट है:-

रु० प्रति कि.ग्रा.	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
एनएफए को ध्यान में रखते हुए लगाई गई पूंजी पर आय				
सूचीबद्ध	100.00	95.78	100.76	92.40
ब्याज पूर्व लाभ	- ****	- ****	- ****	- ****
सूची	-100	-26	-22	-51
ब्याज पश्चात लाभ	- ****	- ****	- ****	- ****
सूचीबद्ध	-100	-35	-31	-34

नकदी प्रवाह पर प्रभाव

32. याचिकाकर्ता एक बहु उत्पाद कंपनी है, जो अन्य उत्पाद के उत्पादन में भी शामिल है। घरेलू उद्योग का नकदी प्रवाह सम्पूर्ण रूप में कंपनी से संबंधित प्रचालनों को प्रदर्शित करता है, जिसमें सीएफएम प्रचालन शामिल हैं जिनमें कंपनी अच्छा कार्य कर रही है। तथापि, प्राधिकारी ने सिर्फ विचाराधीन उत्पाद के संबंध में नकद लाभों के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की है। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग के नकद लाभ निम्नानुसार दर्शाए गए हैं-

	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
नकद लाभ	- ****	- ****	- ****	- ****
सूची	-100	-63.04	-65.4	- 167

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की नकद लाभ स्थिति में विचाराधीन अवधि के दौरान काफी गिरावट आई है।

सामान सूचियाँ

33. घरेलू उद्योग के पास निम्नानुसार सामान सूचियाँ रही हैं -

	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
प्रारंभिक स्टॉक	108	83.65	74.56	36.68
अन्तिम स्टॉक	83.65	74.56	36.68	138.77

उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की सामान सूचियाँ 2001-02 तक कम हो गई हैं। तथापि सामान सूचियाँ इसके बाद जांच की अवधि में बढ़ गई, जो सम्पूर्ण विचाराधीन अवधि में सबसे अधिक है। सामान-सूची में यह वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन में कमी करने के बावजूद है।

पूंजीगत निवेशों को बढ़ाने की योग्यता:

34. यह नोट किया गया है कि कंपनी को हानि हो रही है इसलिए वर्तमान में कंपनी की अपनी क्षमता को बढ़ाने अथवा किसी अन्य विस्तार के लिए पूंजी को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

### वृद्धि

35. जहाँ तक विचाराधीन उत्पाद के प्रचालनों का संबंध है, घरेलू उद्योग ने नकारात्मक वृद्धि का सामना किया है क्योंकि उत्पादन, बिक्री में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग के लाभों में कमी हुई है और ये अब हानि में बदल गए हैं। निम्नलिखित सारणी दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की कई मापदण्डों में नकारात्मक वृद्धि हुई है:-

	1999-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि वार्षिक
बिक्रियाँ	280	372	380	290
वर्ष-दर-वर्ष रुझान		92	8	-90
पीबीआईटी लाख रु.	****	****	****	***
सूची	-100	-46	-43	-69
पीबीटी लाख रु.	****	****	****	****
सूची	-100	-68	-68	-80
मांग में बाजार हिस्सा	37.51	43.06	34.17	24.37
वर्ष-दर-वर्ष रुझान		5.55	-8.89	-9.8
नकद लाभ	****	****	****	****
	-100	-63	-65	-167
वस्तु सूचियाँ	****	****	****	****
वर्ष दर वर्ष रुझान		-9.09	-37.88	102.09

उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि अनेक मापदण्डों के संबंध में घरेलू उद्योग ने नकारात्मक वृद्धि का सामना किया।

### क्षति संबंधी निष्कर्ष

36. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बिक्री मात्राओं में भारी गिरावट (पिछले वर्ष से लगभग 24% यद्यपि आधार वर्ष से मामूली वृद्धि), विचाराधीन अवधि के दौरान निरंतर

वित्तीय घाटे, मांग में बाजार हिस्से में गिरावट (2000-01 में वृद्धि होने के बाद भारी कमी), जांच अवधि में सकारात्मक कीमत कटौती, लगाई गई पूंजी पर ऋणात्मक आय, भारी गिरावट के बाद भण्डारों में वृद्धि से क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की काफी खराब स्थिति प्रदर्शित होती है। वर्ष 1999-2000 और जांच अवधि के बीच घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में बाजार हिस्से की दृष्टि से सुधार हुआ है। तथापि इसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता है, क्योंकि घरेलू उद्योग रूस से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण पिछली अवधि में घाटे उठाता रहा है एवं क्षति का सामना करता रहा है। पूर्वोक्त के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों से लगातार वास्तविक क्षति हुई है।

### कारणात्मक संबंध

37. वर्ष 1999-00 और जांच अवधि के बीच आयातों की मात्रा में वृद्धि (60% से अधिक) से मांग/खपत में आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से आयात, कुल आयातों तथा कुल मांग के रूप में बढ़े हैं। इसमें विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा की गई बिक्रियों के हिस्से के रूप में भी वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के हिस्से में 1999-00 और 2000-01 के बीच वृद्धि दर्ज होने के बाद 2000-01 और जांच अवधि के बीच गिरावट आई है।

38. आयातों के बाजार हिस्से में भारी गिरावट के बाद वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पहले वृद्धि हुई और इसके बाद इसमें भारी गिरावट आई।

39. संबद्ध देशों से हुए आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे थे। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उत्पाद को उस कीमत पर नहीं बेच पाया था जिससे वह उत्पादन लागत प्राप्त करने और तर्क संगत लाभ अर्जित करने में सक्षम होता। इससे लाभों, नकद लाभों और निवेश आय की दृष्टि से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की स्थिति खराब हुई है।

40. यद्यपि घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में कमी हुई है, तथापि प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि रोजगार स्तर में गिरावट याचिकाकर्ता कंपनियों की समग्र स्थिति का संकेतक है और इसका संबंधित उत्पाद से कोई संबंध नहीं है।

41. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबद्ध देशों से पाटन से इतर अन्य कारणों से हो सकती है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारणों के रूप में उच्च ब्याज का भार एवं उच्च उत्पादन लागत का उल्लेख किया गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की लागत संरचना का सत्यापन किया है और घरेलू उद्योग की स्थिति पर ब्याज संबंधी संघटक के प्रभाव का विश्लेषण किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अप्रैल, 1994 में घरेलू उद्योग का मामला बी आई एफ आर को भेजा गया था। बीआईएफआर ने दिनांक 19.12.1996 के अपने आदेश सं० 507/94 में हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि० (एच एफ एल) के हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि० (एच ओ सी एल) के साथ विलय को अनुमोदित किया था। जैसाकि वर्ष 2002-03 की उसकी वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि, यह उल्लेख किया गया है कि कंपनी अब भी बी आई एफ आर के नेट में है। एच ओ सी एल (धारक कंपनी) ने एच एफ एल (एच ओ सी एल की सहायक और विचाराधीन कंपनी) के पुनरुद्धार के लिए वैकल्पिक व्यवहार्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया और इसे पुनर्वास पैकेट के संबंध में आईडीबीआई और बी आई एफ आर को प्रस्तुत किया है। अंतिम निर्णय अभी नहीं आया है।

42. प्राधिकारी ने वित्त वर्ष 1999-2000 के उत्पादन लागत संबंधी संघटकों का विश्लेषण 2002-2003 के साथ किया है। इस अवधि के दौरान उत्पादन लागत में 11.35% की वृद्धि हुई है। कंपनी के कुल बिक्री कारोबार में 11.7% की कमी हुई है। कंपनी को पीटीएफई की उसी प्रति किग्रा. बिक्री कीमत में 6.12% की कमी करनी पड़ी है। कंपनी 26.9% उच्च बिक्री कीमत वसूल कर सकती थी और अपने दूसरे उत्पाद सीएफएम 22 के मामले में लाभ अर्जित कर सकती थी। दोनों उत्पादों के बढ़े हुए उत्पादन और क्षमता उपयोग के बावजूद पीटीएफई की उत्पादन लागत वसूल करने में अक्षमता तथा रूस से विचाराधीन उत्पाद की पहुंच लागत में 28.71% की कमी के कारण कंपनी को काफी नुकसान उठाना पड़ा। यद्यपि निवल घाटे होते रहे हैं, तथापि कंपनी ने 1999-2000 के बाद से सकल लाभ अर्जित किया है। जैसाकि उसकी वर्ष 2002-2003 की वार्षिक रिपोर्ट में दावा किया गया है, कार्यशील पूंजी में सुधार और सभी खर्चों में किफ़ायत बरतने के कारण कंपनी ने प्रतिस्पर्धी माहौल में अपना अस्तित्व बनाए रखा है।

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान समग्र मांग में कोई कमी नहीं हुई है। इसके विपरीत, क्षति अवधि के दौरान मांग में 59% की वृद्धि हुई है। विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा घरेलू उद्योग को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों/सूचना से

भी यह निष्कर्ष निकाला गया है कि संबद्ध वस्तुओं की खपत की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं देखा गया है ।

44. पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गये आयातों की मात्रा एवं कीमतों के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश के अलावा अन्य देशों से हुए आयातों का एक बड़ा हिस्सा चीन जन.गण से आया है । प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि उन्होंने इसी घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत दावों के आधार पर चीन जन.गण से हुए संबद्ध वस्तु के आयातों की पाटनसेधी जांच शुरू की थी और वर्तमान में जांच चल रही है । पूर्वोक्त पर विचार करते हुए, यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. से इतर असंबद्ध देशों से हुए आयातों की घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रभाव न डालने वाला माना गया है ।

45. विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं और प्रतिस्पर्धा के बारे में, यह भी नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तु का ऐसा केवल एक बाजार है जहाँ संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करता है । संबद्ध देश से हुए सौदेवार आयातों की जांच के आधार पर तथा घरेलू उद्योग के बिक्री रिकॉर्डों के आधार पर, यह प्रतीत होता है कि कीमतें आपूर्तिकर्ता के चयन को निर्धारित करती हैं क्योंकि पाटित संबद्ध वस्तु घरेलू उत्पाद की समान वस्तु है । इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तुएं तथा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुएं समान वस्तुएं हैं और इनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में किया जाता है । इसके अलावा इस तथ्य के बारे में किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई तर्क नहीं दिया है कि प्रौद्योगिकी में संभावित विकास घरेलू उद्योग को हो रही वास्तविक क्षति का एक संभव कारण हो सकता है ।

46. चूंकि घरेलू उद्योग इस उत्पाद का निर्यात नहीं करता है इसलिए निर्यात निष्पादन में विकृति घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक संभावित कारण नहीं हो सकता है । जहाँ तक उत्पादकता में सुधार का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान उत्पादन के रूप में उत्पादकता मापकों में प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष काफी वृद्धि हुई है । इस प्रकार उत्पादकता में कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है ।

कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

47. उपर्युक्त विश्लेषण, जिसमें पाटित आयातों के क्षतिकारी प्रभावों और घरेलू उद्योग की स्थिति पर सभी ज्ञात कारकों के प्रभावों के बीच उचित ढंग से भेद एवं अंतर किया गया है, को देखते हुए यह निर्धारित किया गया है कि इस प्रकार अन्य कारकों ने इस तथ्य को प्रतिवर्तित नहीं किया कि पाई गई वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हो सकती है। अतः यह निर्धारित किया गया है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति संबद्ध देश के मूल के पाटित आयातों के कारण हुई है।

यदि शुल्क हटाया जाता है तो पाटन के जारी रहने और क्षति की पुनरावृत्ति की आशंका

48. प्राधिकारी को उपलब्ध कराये गए रूस एवं विश्व के अन्य देशों से पीटीएफई के निर्यातों के आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि उस सामान्य मूल्य एवं कीमत अनुमानों, जिस पर अनेक देशों को इन वस्तुओं का निर्यात किया गया है, पर विचार करते हुए भारत से इतर देशों को रूस से किए गए पीटीएफई के निर्यात भी पाटित कीमतों पर किए गए हैं। यह नोट किया जाता है कि निर्यातक उत्पादक अन्य बाजारों में इस सामग्री को कम कीमतों पर बेच रहे हैं। इससे स्पष्टतः यह संकेत मिलता है कि पाटनरोधी उपायों की अनुपस्थिति में भारतीय बाजार रूस से हुए आयातों के लिए अत्यधिक आकर्षक बाजार है।

घरेलू उद्योग की सुभेद्यता

49. यह भी नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को लगातार वास्तविक क्षति हुई है। इस बात की काफी संभावना है कि शुल्क को हटाने से घरेलू उद्योग को बड़ी मात्रा में क्षति होगी। चीन से कम कीमत पर हुए आयातों में काफी अधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। इससे यह प्रदर्शित होता है कि यदि निर्यातक द्वारा प्रस्तावित कीमतें कम हैं तो भारतीय बाजार सुभेद्य है। इस तथ्य के मद्देनजर, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति होने की पर्याप्त संभावना है।

वर्तमान उपायों के होते हुए आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती

50. संबद्ध देशों से हुए आयात शुल्क के लागू रहते हुए भी भारतीय बाजार में कीमतों में कटौती कर रहे थे । यह नोट किया गया है कि यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो आयातों द्वारा कीमत कटौती में और वृद्धि होने की आशंका है।

#### निर्यातकों की पर्याप्त उत्पादन क्षमता

51. रूस के उत्पादकों के पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता है । यद्यपि किसी रूसी उत्पादक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है तथापि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना यह दर्शाती है कि रूसी उत्पादकों के पास काफी क्षमता है । रूस से उत्पाद के वैश्विक निर्यात निम्नानुसार हैं-

	सभी देश		भारत	
	मात्रा	कीमत डा./कि.ग्रा.	मात्रा	कीमत
2001	10310	6.79	188	6.33
2002	7625	6.34	144	6.13
2003	6235	5.19	130	5.35

51. लगभग 1200 मी.टन की भारतीय मांग की तुलना में, यह देखा गया है कि न केवल अन्य देशों को रूस की निर्यात कीमत अधिक प्रतीत होती है बल्कि रूसी उत्पादकों के पास स्पष्ट रूप से भारतीय मांग से कई गुना अधिक को पूरा करने की विशाल क्षमता है । अतः यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क हटाने से उक्त सामग्री के आयातों में भारी वृद्धि होगी ।

#### आयातों का पर्याप्त बाजार हिस्सा

52. भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में रूस से हुए आयातों का बाजार हिस्सा वर्तमान उपायों के लागू रहते हुए भी काफी अधिक है । प्राधिकारी ने नोट किया है यदि वर्तमान उपायों को समाप्त करने की अनुमति दी जाती है तो रूस से हुए आयातों के बाजार हिस्से में और अधिक वृद्धि हो जाएगी ।

### निर्यातकों द्वारा भागीदारी नहीं करना

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस के निर्यातकों में से किसी ने भी प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी रूस के निर्यातकों द्वारा असहयोग तथा भागीदारी नहीं करने के मद्देनजर उपलब्ध कराई गई अन्य सूचनाओं पर विश्वास करने के लिए बाध्य हैं।

### निर्यातकों की बाजार स्थितियाँ एवं परिस्थितियाँ

54. इस बात की संभावना है कि आयात मात्राओं में भारी वृद्धि होगी क्योंकि रूसी निर्यातक उत्पादक (क) कुछ विश्व बाजारों में अपेक्षाकृत कम कीमतों पर निर्यात कर रहे हैं और इसलिए यदि उपायों को समाप्त किया जाता है तो वे स्वाभाविक रूप से भारतीय बाजारों में उच्च मात्राओं की बिक्री करना चाहेंगे, (ख) उनकी वृहत अप्रयुक्त क्षमता को देखते हुए उनके पास अपना उत्पादन एवं निर्यात मात्रा बढ़ाने की काफी संभावना है (ग) रूस में घरेलू खपत के निकट भविष्य में अपेक्षाकृत निम्न स्तर पर बने रहने के आसार हैं, (घ) निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उनकी बाजार स्थितियाँ एवं परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि यदि वर्तमान उपायों को समाप्त किया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना नहीं है।

### वर्तमान पाटन मार्जिन का स्तर

55. वर्तमान समीक्षा में पाटन मार्जिन अत्यधिक पाया गया है। वस्तुतः पाटन मार्जिन में अत्यधिक वृद्धि हुई है। यदि पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किया जाता है तो इस बात की संभावना है कि काफी मात्रा में आयात होने से पाटन जारी रहेगा। इसके अलावा, यह देखते हुए कि अनेक अन्य देशों को रूस के निर्यात वस्तुतः काफी कम कीमतों पर किए गए हैं, इन उपायों की समाप्ति से घरेलू उद्योग की स्थिति और खराब हो जाएगी तथा अंततः संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादन की व्यवहार्यता जोखिम में आ जाएगी।

### निष्कर्ष

56. पूर्वोक्त पर विचार करते हुए, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:

- (i) जांचाधीन अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात इनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।
- (ii) संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होना जारी है ।
- (iii) घरेलू उद्योग को यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है और प्राधिकारी यह युक्तिसंगत मानते हैं कि संबद्ध देश से आयातों को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की आवश्यकता है क्योंकि शुल्क को हटाए जाने से पाटन तथा क्षति जारी रहेगी ।
57. प्राधिकारी रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पी टी एफ ई के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश को युक्तिसंगत मानते हैं । पाटनरोधी शुल्क की राशि पाटन के मार्जिन अथवा क्षति के मार्जिन जो भी कम हो तथा जिसके लगाए जाने से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं होगी, के बराबर होगी । प्राधिकारी ने यह निर्धारण किया है कि क्षति मार्जिन, उक्त दोनों मार्जिनों से कम है । क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, आयातों के पहुंच मूल्य की जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित बिक्री-कीमत से तुलना की गई है । पाटनरोधी-शुल्क नीचे स्तम्भ 9 में उल्लिखित राशि तथा अमरीकी डालर/किग्रा. में आयातों के पहुंच मूल्य के बीच के अन्तर के बराबर होगा ।

क्र. सं०	उप-शीर्ष	वस्तु का विवरण	निर्दिष्ट देश	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	390461	पॉलीटेट्रा-फ्लूरो-एथिलीन (पीटीएफई)	सभी श्रेणियां	रूस	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	12.66	कि.ग्रा	अम. डा.
2	390461	पॉलीटेट्रा-फ्लूरो-एथिलीन (पीटीएफई)	सभी श्रेणियां	कोई देश	रूस	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	12.66	कि.ग्रा	अम. डा.

- 58 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे ।
59. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा शुल्क अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th October, 2004

**Final Finding**

**Subject:** Sunset Review of Anti-Dumping duties imposed on imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from Russia:

**No. 15/6/2003-DGAD** - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

**A. PROCEDURE:**

1. The procedure described below has been followed: -

- 1.1 The Designated Authority initiated the sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) (hereinafter also referred to as PTFE or subject goods) originating in or exported from Russia (hereinafter also referred to as subject country) following a request to this effect by the Domestic Industry M/s. Hindustan Fluorocarbon Limited, Hyderabad that the expiry of the anti dumping duty would likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. This sunset review was initiated vide notification no. 15/6/2003-DGAD dated 8<sup>th</sup> October 2003. The authority recalls that the final findings of the original investigation were notified vide notification No.24/1/98-DGAD dated 9<sup>th</sup> June 1999.
- 1.2 The Designated Authority sent a copy of initiation notification to the embassy of subject country, the known exporters, importers and the domestic industry as per the list available in the findings of the original anti-dumping investigation and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation of this review investigation. A copy of the application filed by the

domestic industry along with the relevant questionnaires were also sent to all interested parties in terms of anti dumping rules requesting them to respond in the form and manner as per the relevant questionnaires. None of the exporters responded to the initiation notification as well as to the application filed by the domestic industry requesting continuation of anti dumping duty. None of the importers have also filed the response to the exporters' questionnaire in the form and manner as prescribed therein. However, some of the importers have submitted some arguments, which have been analyzed in detail by the designated authority to the extent they have been found relevant to the investigation.

- 1.3 The investigation of dumping and injury covered the period from 1<sup>st</sup> April 2002 to 30<sup>th</sup> June 2003 also called the Period of Investigation or POI. The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1<sup>st</sup> April 1999 to the end of the period of investigation (also called the period under consideration). The import data has been examined from the transaction wise data made available by the DGCI&S and the import quantity and value of imports from subject countries have been determined through the transaction wise DGCI&S data.
- 1.4 \*\*\*\* in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the authority under the rules.
- 1.5 The authority kept available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the authority and kept open for inspection by the interested parties.
- 1.6 The authority sought and verified all the information it deemed necessary for the purpose of final finding with regard to dumping, injury and causal link. The Authority conducted on-the-spot investigation of the domestic industry to the extent considered necessary. The cost of production of domestic industry was also analyzed to work out the best cost of production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of GAAP based on the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- 1.7 In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 27<sup>th</sup> February 2004. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed. In accordance with Rule 16 of the anti-dumping Rules, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to the known interested parties on 10<sup>th</sup> September 2004 and comments

received on the same are duly considered in the final findings. All the interested parties were requested to submit the response to the disclosure by 23<sup>rd</sup> September 2004. It is noted that none of the interested parties except the domestic industry has filed the response to the disclosure statement.

## **B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

2. The product considered in this investigation is Polytetrafluoroethylene (PTFE)). The basic raw material for manufacture of this product is Anhydrous Hydrochloric Acid and chloroform. It is produced in the moulding grade, fine powder grade, aqueous dispersions and compound grades of filled grades.

3. The subject goods is primarily used in the electrical, electronic, mechanical and chemical industries due to its unique characteristics which are chemical inertness, low coefficient of friction, non toxic, non inflammable, resistance to radiation and outstanding electrical properties over a wide frequency range.

4. PTFE is classified under customs Sub heading 390461 of the Customs Tariff Act 1975. However as stated in the initiation notification, the customs classification is indicative in nature and is in no way binding on the scope of the investigation. There are no arguments by any of the interested parties on the product under consideration.

5. It has been argued by various interested parties consisting of importers that there are many grades of the subject goods which are not manufactured by the domestic industry and these grades are used mainly for high end electronics such as in nuclear and space establishments. It has also been argued that grades used for making the wires and cables have not been manufactured in a consistent quality by the domestic industry and therefore, the same is required to be imported. The authority has examined the transaction-wise information of imports from subject country and after a detailed examination based on the submissions by interested parties, it notes that the subject goods exported by Russian producers and the products supplied by the domestic industry is comparable to each other in terms of various parameters like physical characteristics, chemical properties, manufacturing process, technology, functions and uses, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. Besides, the prices at which the goods from Russia

are being exported to India are broadly in the same price range. Further it has not been disputed by any of the interested parties that certain grades other than those manufactured by domestic industry are coming in from Russia and which cannot be substituted with the subject goods manufactured by the domestic industry. An analysis of the imports made by other countries suggests that these different grades might have been originating or exported from countries other than subject countries, as the prices from these countries appeared to be much higher than the subject goods exported from Russia. With regard to the end use of the subject goods, the authority notes that the subject goods manufactured by domestic industry have been consistently supplied to the manufacturers of high end electronics. There is no known difference in PTFE from Russia and PTFE produced by the domestic industry. The two are technically and commercially substitutable and the consumers are using the two interchangeably. On the basis of the above examination, the authority concludes that the PTFE produced by the applicant is a like article to the goods imported from Russia in accordance with anti dumping rules. It is further noted that this issue has been investigated in detail in the previous investigations and settled.

#### **C. Domestic Industry**

6. The petitioner is the sole producer of the PTFE in India and hence has a standing to file the petition in terms of Rule 5(3) a of the Anti-dumping rules read with Rule 2(b).

#### **D. Dumping**

7. Under Section 9A(1) I of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

1. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
2. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
  - a. Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an

appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

b. The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

8. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). None of the exporters have responded to the questionnaire as per letter to the exporters and exporters' questionnaire. In fact there are no arguments from any of the exporters in this investigation.

#### Russia

##### (a) Co-operation

9. None of the exporters from the subject country has responded to the questionnaire in the form and manner required as per letter to the exporters and exporters' questionnaire. The Authority recalls that it had sent letters to all the known exporters including their embassy at the time of initiation and a copy of the non-confidential application was also forwarded to all the known exporters from the Russian federation. Further, all the exporters including their embassy were invited during the public hearing which was chaired by the Authority on 27<sup>th</sup> February 2004. The public hearing was attended by the officials of Russian Embassy in Delhi though no written submission or rejoinder or comments from any of the exporters or embassy were made to the Authority. In fact there are no arguments from any of the exporters in this investigation. Amongst the importers, M/s Dupont India had not submitted any non-confidential response to the Authority and it is seen that none of the other exporters had submitted response in the form and manner as prescribed in the importers questionnaire. However all arguments pertaining to the various issues raised by various interested parties have been dealt to the extent these have been found as relevant by the Authority. WTO agreement on Anti Dumping states as in this regard. "As soon as possible after the initiation of the investigation, the investigating authorities should specify in detail the information required from any interested party, and the manner in which that information should be structured by the interested party in its response. The authorities should also ensure that the party is aware that if information is not supplied within a reasonable time, the authorities will

be free to make determinations on the basis of the facts available, including those contained in the application for the initiation of the investigation by the domestic industry." As no information has been submitted by any of the exporters from Russia, the Authority treats all the exporters in this investigation as uncooperative.

**(b) Normal Value & Export Price:**

10. In view of non-cooperation from any exporters from the subject country, the Designated Authority has no option but to proceed on the basis of best information available. It is also noted that the claim made by the petitioner with regard to determination of normal value has also not been disputed by the exporter or other interested parties. Under the circumstances, normal value under the rules is constructed on the basis of facts available as per rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. Therefore, the information available on the costs of the production along with a SGA with a reasonable margin for the profit has been taken as the basis of the determination of normal value for the exporters in the subject country. Export price at ex factory level has been determined with the available data from DGCIS and with adjustments as per the facts available.

**(c) Comparison:**

11. For the purpose of a fair comparison between the normal value and export price at an ex factory level, due allowance, has been allowed in respect of transport, insurance, handling and other costs.

**(d) Dumping Margin:**

12. In accordance with Rule 6(IV) of annexure I to the anti dumping rules, the dumping margin has been determined on the basis of constructed normal value with the weighted average export price at an ex factory level. The comparison showed the existence of dumping of the subject goods by the exporter during the POI. The weighted average dumping margin, expressed, as a percentage to the export price has been determined and is 105%.

Country	NV Ex	EP Ex	DM	DM %
	US \$	US \$	US \$	%
Russia	****	****	****	105%

### E. Injury

#### Domestic consumption/demand

13. For the calculation of the Domestic consumption/demand of the product under consideration, the authority added the sales volume of the domestic industry to the total imports into India. On this basis, the domestic demand or consumption of the subject goods in the domestic market increased as shown in the table below.

	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Imports – Russia MT	98	109	157	158
Indexed	100.00	111	160	161
Imports – Other Countries MT	368	383	576	742
Indexed	100.00	104.07	156.52	201.63
Sales of Domestic industry MT	280	372	381	290
Indexed	100.00	132.85	136.07	103.57
Demand MT	746	864	1114	1191
Indexed	100.00	115.81	149.32	159.65

It is noted that the demand of the product under consideration shows positive trend. The absolute quantum of imports from subject country increased during the period under consideration.

14. The Authority has also examined impact of changes in demand on price of the domestic industry. It is found that while demand increased, imports from subject countries as also other countries also shows significant positive trend in the volume. In fact import from other countries has also increased significantly in the demand. Regarding imports from other countries, China is the major exporter-exporting product under consideration during the period under consideration.

The Authority recalls that the domestic industry had filed an application against imports from China, and for which investigation is under progress by the Designated Authority.

Imports originating in the subject country and other countries

Volume of imports

15. The volume of dumped imports of the product under consideration from Russia as also from other countries is given in the table below.

	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Imports – Russia (MT)	98	109	157	158
Indexed	100.00	111.46	160.35	161.54
Imports – Other Countries (MT)	368	383	576	742
Indexed	100.00	104.07	156.52	201.63
Total Imports (MT)	466	492	733	900
Indexed	100.00	105.57	157.51	193.34

It is evident from the above that imports from subject country have increased by 62% over the period under consideration. The authority further notes that the domestic consumption increased by 59 % during the period under consideration. It is therefore concluded that there has been steady and significant increase in demand and also the volume of dumped imports has significantly increased over the period under consideration and increase in imports has been more than increase in demand, resulting into decline in share of domestic industry.

Share of subject country in total imports:

16. Over the period under consideration, the share of the dumped imports from the subject countries remain at significant level. As present investigation is a review investigation, therefore, anti dumping duty continues to be in force. However, even after the imposition of anti dumping duty, imports remain at a significant level. It is therefore, noted by the Designated Authority that market share of dumped imports from Russia remains at significant level.

	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
<b>Market Share in Imports</b>				
Russia (MT)	98	109	157	158
Share	21.00	22.18	21.42	17.56
Other Countries (MT)	368	383	576	742
Share of other countries	78.91	77.85	78.58	82.44
Share of Russia as a proportion to domestic production	32.32	30.07	45.80	42.54
Share of Russia as a proportion to consumption	13.12	12.63	14.09	17.56

The Designated Authority has examined share of Russia in total imports of subject goods in India. It may be seen that Russian share in total imports have declined, which could be due to imposition of duty against Russia and commencement of imports from newer sources.

#### Market share of dumped imports in total demand

17. The Authority has also examined share of dumped imports from subject countries in demand of subject goods in India. The Authority finds that share of subject country, which was 13.12% in 1999-2000 marginally increased to 13.29% during the POI. The demand, however, increased to 17.56%.

Market share in Demand %	1999-00	2000-01	2001-02	POI
Domestic industry	37.51	43.06	34.17	24.37
Imports – Russia	13.12	12.63	14.09	13.29
Imports – Other Countries	49.37	44.31	51.74	62.44
<b>Changes in market share – over period under consideration</b>				
Dumped imports		-0.49	0.97	4.44
Other imports		-5.06	2.37	8.7
Domestic industry		5.55	-3.34	-13.14

It is evident from the above that domestic industry has lost significant market share, which is captured by subject countries as also other

countries. As mentioned earlier, in other countries, China is a major exporter of the subject goods, against which investigation is under progress.

Market share of dumped imports in production in India

18. It is found that dumped imports from subject country have increased in relation to production of the domestic industry.

	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Imports from Russia in relation to production	32.32	30.07	45.80	42.54
Year by year change		-2.25	13.48	10.22

On the basis of above examination, it is concluded that there has been a significant rise in the market share of dumped imports from Russia during the period under consideration as compared to previous years.

Evolution of import price

19. During the period under consideration, the average CIF prices of the imports originated in Russia decreased significantly by 13.00%..

Rs. Per Kg	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
CIF import price – Russia Rs/Kg	333.22	395.16	389.57	289.87
Year by year change		18.59	-1.41	-25.59

The Authority notes that prices of the subject goods fluctuate in view of the fact that the input prices also keep fluctuating. It is evident from the above that import price of PTFE from Russia, which was increasing over period under consideration till 2001-02 declined significantly during the period of investigation.

#### Price Undercutting.

20. A comparison for selling price of domestic industry and landed price of imported material was made between the Russia and the domestic industries selling price in the domestic market, net of all rebates and taxes to unrelated customers, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. The CIF prices of Russia were added for post importation applicable duties (basic customs duty).

Rs. Per Kg	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
CIF export price – Russia Rs/Kg	333.22	395.16	389.57	289.87
Landed Value – Russia	437.52	538.81	530.47	395.25
Net Sales Realization of Domestic industry	****	****	****	****
Price Undercutting	****	****	****	****
Price Undercutting %				15-20%

This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject country were sold in the domestic market at prices which undercut the domestic industry's prices when expressed as a percentage of the domestic selling prices of the domestic industry.

### Price Underselling

21. The Authority has also examined the claim of the applicant that the domestic industry is suffering on account of the losses from the sale of PTFE. The Authority notes that price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the Non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows a significant level of incidence of price underselling of 30-40% on account of dumped imports from Russia.

### Situation of the Domestic Industry

#### Preliminary remarks

22. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra

#### Sales

23. Sales volumes of domestic industry were as follows:-

Year	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Sales (MT)	280	372	380	290
Trend	100.00	132.86	135.71	103.57
Demand (MT)	746	864	1114	1191
Market share of domestic industry	37.51	43.06	34.17	24.37

It is seen that the sales volumes of the domestic industry increased between 1999-00 and 2001-02. However, sales volume have shown declining trend thereafter in the investigation period. The sales volumes have shown declining trend even when the demand has shown an increase. As a result, the market share of the domestic industry has shown a decline even when the demand has grown.

**Likely Impact if the duty is withdrawn**

24. Considering the level of price undercutting and price sensitivity of the product, there could be further decline in sales of the domestic industry.

**Profits:**

25. Profit/loss of the domestic industry per unit of production and for the quantities sold has been as under.

Year	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Profit/loss before interest (Rs./Kg)	****	****	****	****
Index	-100	-34	-31	-66
Interest (Rs./kg)	****	****	****	****
	100	101	106	111
Net Profit/loss (Rs./kg) after interest – on sales	-100	-51	-50	-77
Total Profit/Loss before interest	****	****	****	****
Index	-100	-46	-43	-69.2

It is evident from the above that profits of the domestic industry have significantly been eroded. The domestic industry continues to make losses even after imposition of duty.

**Production, capacity and capacity utilization**

26. Production, capacity and capacity utilization of the domestic industry have been as under.

Year	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Capacity MT	500	500	500	500
Production MT	303.00	362.98	342.92	371.92
Indexed	100.00	119.80	113.17	122.75
Capacity Utilization %	60.60	72.60	68.58	74.38

Year by year Change in Production MT		59.98	-20.06	29
--	--	-------	--------	----

It is seen from the above that production of the domestic industry has increased. However, it is noted that increase in production has not helped the domestic industry as domestic industry continues to make losses due to availability of dumped material in the domestic market. It is further noted that domestic industry has alleged in their application for mid term review that ADD imposed earlier in their original investigation is inadequate to tide over the injuries being suffered by the them due to dumped imports from subject country.

### Market Share

27. Share of the domestic industry and imports in demand in India has been as under:

Year	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annuali zed
Domestic industry	37	43	34	24
Russia	13	13	14	18
Other Sources	49	44	52	58
Year by Year Change				
Domestic industry		6	-9	-10
Russia		0	1	4
Other Sources		-5	8	6

It is seen that the share of the domestic industry in demand increased significantly between 1999-2000 and 2000-01. However, thereafter, the domestic industry has been losing market share. It is also seen that the share of the dumped imports from the subject country has increased in period under consideration in the total demand. It is also noted that import share from other than subject countries has also significantly increased. The Authority recalls that significant imports made from other countries pertain to imports from China for which a separate investigation is currently underway by the Authority.

**Employment and Wages**

28. There is no changes in employment level of the domestic industry as employees of the domestic industry remains more or less same as the company is having policy to retain its employees in tough situation with a expectations of better tomorrow. In wages, wages of the domestic industry shows positive trend due to prevailing rules and laws of the country.

**Productivity:**

29. Productivity of the domestic industry has been as under:

Year	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Productivity per Employee	****	****	****	****
Index	100	119	113	123
Year by Year Change		0.27	-0.09	0.15

It is evident from the above that productivity of the domestic industry, which has increased between 1999-00 to 2000-01, declined after 2000-01 significantly. However, from the base year to the POI, the employee productivity shows a general increase. It is also noted that per employee productivity of the domestic industry shows positive trend due to increase in production and more or less same level of employees.

**Factors affecting domestic prices**

30. The imports from subject countries are resulting in significant price undercutting and price underselling in the Indian market. The landed price of imports is significantly below the non injurious price of the domestic industry. Selling prices of the domestic industry have declined as may be seen from the table below.

Rs. Per Kg	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Net Sales Realization	****	****	****	****

Indexed	100.00	95.78	100.76	92.40
Price undercutting- Russia	****	****	****	****
Cost of production	****	****	****	****
Index	100	79	82	87
Landed Price - Russia	****	****	****	****
Index	100	123	121	90

It is evident from the above that landed price from Russia is significantly below than net sales realization of the domestic industry as also cost of production. Dumped imports have significantly undercut the prices of the domestic industry in the Indian market.

#### Return on investments

31. Return on investments (profit before interest) shows the same trend as that of profits as is evident from the table below.

Rs. Per Kg	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualiz ed
<b>Return on Capital Employed Considering NFA on</b>				
Profit before interest	-****	-****	-****	-****
Index	-100	-26	-22	-51
Profit after interest	-****	-****	-****	-****
Index	-100	-35	-31	-34

#### Effects on cash flow

32. The petitioner is a multi product company involved in production of other product also. Cash flow of the domestic industry is reflective of operations relating to company as a whole, which include CFM operations, in which company is doing well. However, the Authority has examined performance of the domestic industry in terms of cash profits in relation to the product under consideration alone. Cash profit of the domestic industry in relation to the product under consideration is shown as under:-

	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Cash profit	-****	****	****	****
Index	-100	-63.04	-65.4	-167

It is evident from the above that cash profit situation of the domestic industry declined significantly during the period under consideration.

### Inventories:

33. Inventories with the domestic industry have been as under:

	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Opening Stock	108	83.65	74.56	36.68
Closing Stock	83.65	74.56	36.68	138.77

It is seen from the above that inventories of the domestic industry reduced till 2001-02. However, inventories increased thereafter in the period of investigation, which is the highest in the whole period under consideration. This increase in inventories is in spite of production curtailed by the domestic industry.

### Ability to raise capital investments:

34. It is noted that company is making losses for the product therefore company does not have any plan at present to expand its capacity or to raise any capital for any further expansion.

### Growth

35. Domestic industry has faced negative growth so far as operations of product under consideration is concerned as production, sales have declined and profits of the domestic industry have been eroded and now converted into losses. Following table shows that domestic industry has negative growth in many parameters.

	1999-00	2000-01	2001-02	POI Annualized
Sales	280	372	380	290
Year by Year trend		92	8	-90
PBIT Rs. Lacs	****	****	****	****
Index	-100	-46	-43	-69
PBT Rs. Lacs	****	****	****	****
Index	-100	-68	-68	-80

Market share in Demand	37.51	43.06	34.17	24.37
Year by Year trend		5.55	-8.89	-9.8
Cash Profit	****	****	****	****
	-100	-63	-65	-167
Inventories	****	****	****	****
Year by Year trend		-9.09	-37.88	102.09

It is seen from the above that domestic industry faced negative growth in respect of a number of parameters.

### Conclusions on Injury

36. The authority notes that a significant decline in sales volumes (about 24% from the preceding year though a marginal increase from the base year), continuous financial losses over the period under consideration, decline in market share in demand (significant decline after showing increase in 2000-01), positive price undercutting in POI, negative return on capital employed, increase in stocks after significant decline show significant deterioration in the performance of the domestic industry over the injury period. Performance of the domestic industry, when compared between 1999-2000 and POI improved in terms of market share. However, this can not be considered satisfactory, given that the domestic industry had been suffering losses and facing injury in preceding period due to dumping of subject goods from Russia. On the basis of foregoing, the authority concludes that the domestic industry has suffered continued material injury from the dumped imports from the subject country.

### Causal link

37. Increase in volume of imports (by more than 60%) between 1999-00 and POI has lead to an increase in share of imports in demand/consumption. Imports from subject country have increased in the total imports as well as in total demand. It has also increased as a proportion to the sales made by domestic industry during the period under consideration. As a direct consequence, share of domestic industry declined between 2000-01 and POI after recording an increase between 1999-00 and 2000-01.

38. Market share of the imports increased after declining significantly. As a direct consequence, the market share of the domestic industry first increased and thereafter declined significantly.

39. Imports from the subject country were undercutting the prices of the domestic industry. As a direct consequence, the domestic industry was prevented from selling the product at a price which would have enabled it to recover its cost of production and earn a reasonable profit. This led to deterioration in the performance of the domestic industry in terms of profits, cash profits and return on investment.

40. Even though the employment level of the domestic industry declined, the Authority notes that the decline in the employment level is an indicator of overall situation of the applicant company and is not linked to dumping of the product concerned.

41. It has been argued by other interested parties that injury to the domestic industry could be due to the reasons other than dumped imports from subject country. Reasons such as high interest burden and high cost of production have been cited as reasons for the injury to the domestic industry. The Authority has verified the data pertaining to the cost structure of the domestic industry and has also analyzed the effect of the interest component on the state of the domestic industry. The Authority notes that the Domestic Industry was referred to BIFR in April, 1994. BIFR in its Order No.507/94 dated 19.12.1996 approved the merger of Hindustan Fluorocarbons Ltd (HFL) with Hindustan Organic Chemicals Ltd (HOCL). As reported in its Annual Report for the year 2002-2003, it is mentioned that the company is still in the BIFR net. HOCL (the holding company) has submitted alternative viable proposal for revival of HFL (subsidiary of HOCL and the company under consideration) and submitted the same to IDBI and BIFR in respect of rehabilitation packet. The final decision is awaited.

42. The Authority has analysed the components of cost of production for the financial year 1999-2000 with 2002-2003. The cost of production went up by 11.35% during this period. The company's total sales turnover went down by 11.7%. The company suffered approximately 6.12% reduction in its selling price per kg for PTFE. The company could realise 26.9% higher selling price and earned profit in case of its another product CFM 22. Despite increased production and capacity utilisation of both products, its inability to realise its cost of production for PTFE coupled with 28.71% reduction in the landed cost of the product under consideration from Russia contributed to the overall loss of the company. Though there has been net losses, the company has posted gross profit from 1999-2000 onwards. As claimed vide its Annual Report for 2002-2003, improvement in working capital management and austerity drive on all expenses has helped the company to withstand the competitive environment.

43. The Authority notes that there is no contraction in the overall demand during the period under consideration. On the contrary, the demand has increased by 59% during the injury period. It is also concluded from the data/information made available to the domestic industry by various interested parties that there has not been any apparent change in the pattern of consumption of the subject goods.
44. With regard to the volume and prices of imports not sold at the dumped prices, it is noted that apart from the subject country, a considerable proportion of the imports from other countries is accounted for by China PR. The authority recalls that it has initiated an anti-dumping investigation of the subject goods from China PR on the basis of a claim filed by the same domestic industry and the investigation is currently under progress. In view of the foregoing, it is noted that imports from non-subject countries other than China PR are considered not to have an impact on the performance of the domestic industry.
45. With regard to trade restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers, it is further noted that there is a single market of the subject goods where dumped imports from subject country competes directly with the subject goods produced by the domestic industry. On the basis of examination of transaction-wise imports from subject country and from the sales records of the domestic industry, it appears that the price determines the choice of supplier as dumped subject goods are like product to the indigenous producer. It is further noted that imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar application/end uses. Further, there has not been any arguments from any of the interested parties with regard to the fact that possible developments in technology could have been possible a cause of material injury being caused to the domestic industry.
46. As the domestic industry is not having exports of the product, possible deterioration in the export performance may not be a possible cause for injury to the domestic industry. As regards improvement in productivity, the authority notes that during the period under consideration, the productivity measures as output per employee per year increased significantly. Thus, deterioration in the productivity has not been a cause for injury to the domestic industry.

#### Conclusions on Causal Link

47. Given the above analysis which has properly distinguished and separated the effects of all known factors on the situation of the domestic industry from the injurious effects of the dumped imports, it is concluded

that these other factors as such did not reverse the fact that the material injury found may be attributed to the dumped imports. It is, therefore, concluded that the dumped imports originating in the subject country has caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules and article 3.5 of the Agreement of Anti Dumping.

Likelihood of continuation of dumping and recurrence of injury if the duty is withdrawn

48. Data of exports of PTFE from Russia to other countries in the world made available to the Authority shows that exports of PTFE from Russia to countries other than India are also at dumped prices, considering the estimates of normal value and the price at which the goods have been exported to a number of countries. It is noted that the exporting producers are selling the material at low prices in other markets. This clearly suggests that the Indian market would be very attractive to imports from Russia should the anti dumping duties not be continued.

Vulnerability of the domestic industry

49. It is further noted that the domestic industry has suffered continued material injury from the dumped imports from subject countries. There is a greater possibility that revocation of duty will result in higher extent of injury to the domestic industry. Imports from China at lower price have shown very significant increase. This shows that the Indian Market is vulnerable to imports, should the prices offered by the exporters be lower. In view of this fact, the Authority notes that the domestic industry is vulnerable to injury, should the present anti dumping duty be revoked.

Significant price undercutting by imports with current measures

50. Imports from subject countries were undercutting the prices of domestic industry in the Indian market even after duty in force. It is noted that should the present anti dumping duty be revoked, the price undercutting by imports might increase further.

Ample production capacity of exporters

51. The producers in Russia are understood to be holding significant production capacity. Even though no Russian producers have responded to the Authority and have not cooperated in the present investigations, the information made available by the interested parties shows that the Russian producers are holding

significant capacities. The global exports of the product from Russia have been as under:-

Source: World Trade Atlas

	All countries		India	
	Volume MT	Price\$/kg	Volume MT	Price\$/Kg
2001	10310	6.79	188	6.33
2002	7625	6.34	144	6.13
2003	6235	5.19	130	5.35

51. As against Indian demand of about 1200 MT, it is seen that not only the Russian export price to other countries appear higher, but also the Russian producers are apparently having huge capacity to meet several times of Indian demand. It is therefore noted that revocation of anti dumping duty would therefore lead to substantial importation of the material.

Significant market share of imports:

52. The market share of imports from Russia in demand of subject goods in India is quite significant even with the current measures in force. The Authority noted that should the current measures be allowed to lapse, market share of the imports from Russia would increase further.

Non participation by exporters

53. The Authority notes that none of the exporters from Russia have responded to the Authority. The Authority has been constrained to rely upon other information made available in view of non-cooperation and non-participation by the exporters from Russia.

Market conditions and circumstances of exporters:

54. There is a likelihood that import volumes would increase significantly given that the Russian exporting producers (a) are exporting at lower prices in some of the world markets and therefore would naturally like to sell higher volumes in the Indian market, should the measures be repealed; (b) have the potential to raise their production and export volume in view of their large unused production capacity; (c) domestic consumption in Russia is likely to stay at relatively low levels in the near future; (d) the exporters have not established that their market conditions and circumstances are such that the injury to the domestic industry would be unlikely should the present measures be allowed to lapse.

current dumping margin

55. The dumping margin in the present review has been found to be very significant. In fact, the margin of dumping has significantly increased. If anti-dumping duties are removed it is likely that the dumping will continue at much higher volumes of imports. Further given that the Russian exports to a number of other countries are in fact at much lower prices, expiry of the measures would worsen the situation of the domestic industry, eventually putting at risk the viability of domestic production of subject goods.

Conclusions

56. After considering the foregoing the Authority concludes that -
- (i) The subject goods have been exported below their Normal Value from subject country during the period under investigation.
  - (ii) The domestic industry continues to suffer material injury on account of dumped imports from subject country.
  - (iii) Injury has been caused to the domestic industry by the dumped imports from subject country and
  - (iv) Anti dumping duties are required to be imposed in respect of imports from subject country, as withdrawal thereof would lead to continuation of dumping and injury.

57. The Authority considers it appropriate to recommend the continuation of anti-dumping duty on imports of PTFE originating in or exported from Russia. The amount of anti-dumping duty shall be equal to the margin of dumping or margin of injury, whichever is less and which if levied would remove the injury to the domestic industry. The Authority has determined that injury margin is the lesser of the two margins. For the purpose of determining injury margin, the landed price of imports has been compared with the non-injurious selling price of the domestic industry determined for the period of investigation. As the prices of the input fluctuate significantly in the international market, it has been decided to fix the anti dumping duty on a reference price basis. The anti dumping duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 9 below and the landed value of imports in US\$/Kg.

S. No	Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	390461	Polytetrafluoroethylene (PTFE)	All grades	Russia	Any Country	Any Producer	Any Exporter	12.66	Kg	US\$
2	390461	Polytetrafluoroethylene (PTFE)	All grades	Any Country	Russia	Any Producer	Any Exporter	12.66	Kg	US\$

58. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

59. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority